6. शहरीकरण एवं शहरी जीवन

गाँव:- गाँव की जनसंख्या का एक बड़ा भाग कृषि व्यवसाय से जुड़ा होता है। इनकी आय का प्रमुख स्रोत कृषि संबंधी उत्पाद होते हैं। अतः गाँव की मुख्य विशेषता एक कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था है, जो मूलतः जीवन निर्वाह अर्थ व्यवस्था पर आधारित है।

गंज (हाट):- एक छोटे से बाजार को गंज कहा जाता है। गंज कपड़ा, फल, सब्जी, दूध एवं अन्य प्रकार के दैनिक उपभोग की वस्तुओं का विक्रय केन्द्र था। गंज विशिष्ट परिवारों तथा सेना के लिए सामग्री उपलब्ध कराते थे।

कस्था:- ग्रामीण अंचल में स्थित एक छोटे शहर को माना जाता है जो अधिकांशतः स्थानीय आवश्यकताओं की पूर्ति एवं विशिष्ट व्यक्ति का केन्द्र होता है।

शहर:- शहर गैर कृषि उत्पादन गतिविधियों का केन्द्र था। शहर उद्योग, व्यापार, वाणिज्य व प्रशासनिक इकाई का केन्द्र होता है।

महानगर:- किसी प्रांत या देश का विशाल और घनी आबादी वाला शहर जो प्रायः वहाँ की राजधानी भी होता है।

गांव और शहर में अंतर

गाँव	शहर
गाँव की आबादी काम होती है।	शहर की आबादी आधिक होती है।
गाँव में खेती और पशुपालन मुख्य जीविका है।	शहर में व्यापार और आजीविका मुख्य उत्पादन है।
गाँव में शिक्षा, यातायात, स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव होता है।	शहर में शिक्षा, यातायात, स्वास्थ्य सुविधाएँ उन्नत अवस्था में होती है।
गाँव में वातावरण स्वच्छ होती है।	शहर की वातावरण प्रदुषि होती है।

शहरीकरण:- नगरीय जीवन तथा आधुनिकता एक दूसरे के पूरक है और शहर को आधुनिक व्यक्ति का प्रभाव क्षेत्र माना जाता है।

आधुनिक शहरों की स्थापना के कारण :-

- औद्योगिक पूंजीबाद का उदय
- विश्व के विशाल भूभाग पर औपनिवेशिक शासन की स्थापना
- लोकतांत्रिक आदर्श का विकास

शहरों के उदय ने निम्न समस्याओं को जन्म दिया:-

- बाजारवाद का उदय
- जनसंख्या घनत्व में वृद्धि
- मलिन वस्तियों का उदय
- अपराधिक प्रवृति में वृद्धि
- यातायात की समस्या
- स्वास्थ्यपरक सुविधाओं का अभाव

प्रदूषण की समस्या

टेनेमेंटू काम चलाओ और अक्सर बी हिसाब बीर वाले अपार्टमेंट मकान जो बड़े शहर के गरीब इलाके में पाए जाते हैं उसे टेनेमेंद्ध कहा जाता है।

घेटो :- घंटो शब्द मध्य यूरोपीय शहरों में यहूदियों की बस्ती के लिए प्रयोग किया जाता है। आज के संदर्भ में यह विशिष्ट धर्म, नृजाति, जाति या समान पहचान वाले लोगों के साथ रहने को इंगित करता है।

व्यक्तिवाद:- वह सिद्धांत् जिसे समुदाय की नहीं बल्कि व्यक्ति की स्वतंत्रता और अधिकार को स्वीकार किया जाता है उसे व्यक्तिवाद कहा जाता है।

लैसेज फेयर:- वैसा आर्थिक उन्मुक्त बाद जिसमें सरकार का किसी रूप में हस्तक्षेप नहीं होता था एवं पूजी पत्तियों को पूरी स्वतंत्रता दी जाती थी, उसे लैसेज फेयर कहा जाता है।

पटना:- .

- प्राचीन काल में पटना पाटलीपुत्र के नाम से जाना जाता था।

- प्राचीन काल में यह नगर शिल्पकला, व्यापार, शिक्षा, सांस्कृतिक गतिविधियों का एक प्रमुख केन्द्र था।
- छठी शताब्दी ईसा पूर्व में मगध के शासक आजातशत्रु ने पाटलिपुत्र में एक सैनिक शिविर बनाया था। कालांतर में यह मगध साम्राज्य की राजधानी बना।
- मौर्यकालीन राजप्रसाद के अवशेष दक्षिण पटना में स्थित कुम्हरार से प्राप्त हुए हैं।

अनेक पहलुओं पर चर्चा :

- पाटलिपुत्र नगर प्रशासन के अनेक पहलुओं पर चर्चा यूनान निवासी मेगास्थनीज की रचना इंडिका में उपलब्ध है।
- मेगास्थनीज चंद्रगुप्त मौर्य के दरबार में आया था।
- पटना के विशाल भवनों के वैभव और सौंदर्य की चर्चा चीनी यात्री फाह्यान द्वारा की।
- अफगान शासक शेरशाह सूरी ने 1541 में दुर्ग का निर्माण करवाया। इसके बारे में जानकारी अब्दुल्ला की रचना तारीखे दाऊदी में मिलती है।
- 1856 में अंग्रेज यात्री राल्फ फिच नगर भ्रमण के लिए आया था।
- 1666 ई० में सिखों के दसवें और अंतिम गुरु गोविन्द सिंह जी का जन्म पटना में हुआ था।
- मुगल शासक अक्बर के शासनकाल में पटना एक व्यापारिक केन्द्र के रूप में विख्यात था ।
- अठारहवीं शताब्दी में मुगल राजकुमार अजीमुशान ने इस नगर का नवनिर्माण कराया और इसे अजीमाबाद नाम दिया।
- 1786 में पाटलिपुत्र में अनाज भंडारण के लिए गोदाम का निर्माण किया गयाँ जिसे आज व गोलघर के नाम से जाना जाता है।
- 1911 के दिल्ली दरबार में बिहार को पृथक राज्य का दर्जा दिया गया।
- 1912 में (बिहार एवं उड़ीसा) को बंगाल से अलग कर पृथक राज्य का दर्जा दिया गया।
- वर्तमान में पटना की आबादी 12 लाख से अधिक है और इसका क्षेत्रफल और 2800 वर्ग किलोमीटर है।
- कोलकाता के बाद पटना पूर्वी भारत का सबसे बड़ा नगर है।

बम्बई:-

- बंबई सात टापुओं का इलाका था।

- बम्बई औपनिवेशिक भारत की वाणिज्यिक राजधानी थी।
- बम्बई भारत का एक प्रमुख बंदरगाह था, जो अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का एक मुख्य केन्द्र था। यहाँ से कपास और अफीम जैसे वस्तु निर्यात किया जाता था।
- 1800 ई0 के आसपास बम्बई फोर्ट एरिया शहर का एक केन्द्र बिन्दु था, जो दो भागों में बेटा हुआ था। एक भाग में नेटिव (स्थानीय निवासी) रहते थे और दूसरे भांग में यूरोपीय निवास करते थे।
- 1854 में पहली कपड़ा मिल मुंबई में स्थापित हुआ। कपड़ा मिलों के कारण लोग बम्बई में आकर बसने लगे, जिसके कारण बम्बई में आबादी का दबाव बढ़ गया। फलतः लोग घनी आबादी वाले चॉलों (बहुमंजिली इमारत) में रहते थे।
- 1784 में 'भूमि विकास परियोजना' लागू की गई।
- 1898 ई० में सिटी ऑफ बॉम्बे इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट की
  1918 ई. में बम्बई के मकानों के महंगे किराए को सिमित करने के लिए किराया कानून पारित किया गया।
- मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ने 1914 से 1918 के बीच एक सुखी गौदी का निर्माण किया और उसके खुदाई से जो मिट्टी निकाली उसका इस्तेमाल करके 22 एकड़ बलाद्र एस्टेट का बना डाला। जहां आज मरीन ड्राइव है।

सिंगापुर:-

- सिंगापुर एक सुनियोजित शहर है।
- 1965 ई० में पीपुल्स एक्शन पार्टी के अध्यक्ष ली कुआन येव के नेतृत्व में सिंगापुर को आजादी मिली।
- सिंगापुर के सुनियोजित विकास के लिए आवास एवं विकास कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। आवासीय खंडों में जनस्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए हवा निकासी एवं अन्य स्वास्थ्य-परक सुविधाओं की व्यवस्था की गई। सड़कों का निर्माण किया गया एवं परिवहन व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए यातायात नियम बनाए गए। शहरों में लोगों के आने पर नियंत्रण रखा जाने लगा।

पेरिस:-

- बेरॉन हॉसमान ने पेरिस के पुनर्निमाण का काम किया। शहर में सीधी एवं चौड़ी सड़कें, बुलेवईस (छायादार सड़क) पार्क, खुले मैदान का निर्माण किया गया।
- शहर में शांति व्यवस्था के लिए पुलिस तैनात किए गए।
- पेरिस ऐसी राजधानी के रूप में जाना जाता है, जो केवल वास्तुकला के लिए नहीं बल्कि सामाजिक और बौद्धिक केन्द्र के रूप में विख्यात है।

लंदन:-

- 1750 ई तक इंग्लैंड और वेल्स का हर 9 में से एक आदमी लंदन में रहता था। यह एक महाकाय शहर था जिसकी आबादी 675000 थी।
- 1810 ई0 से 1880 ई0 तक लेदन की आबादी 10 लाख से बढ़कर 40 लाख हो गई।
- विश्व की पहली भूमिगत रेल 10 जनवरी 1863 ई० में बना। यह रेलवे लीईन लंदन की पैडिग्ल और केरिग्टन स्ट्रीट के बीच स्थित है।
- 1870 ई0 में अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा कानून बना।
- 1902 ई० में फैक्ट्री कानून के अन्तर्गत बच्चों को कारखानों में काम करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया।
- वास्तुकार एवेनेजर हावर्ड लंदन में गिर्द हरित पट्टी विकसित की जिसे गार्डन सिटी नाम दिया गया
- शहरों के विस्तार में भव्य परकोटे का निर्माण हुआ।
- लंदन भारी संख्या में प्रवासियों को आकर्षित करने में सफल हुआ।
- विकासशील देशों में नगरों के प्रति रुझान देखा जाता है।
- नगर प्रबंधन के द्वारा निवास तथा आवसीय पद्धति, जनस्वास्थ्य, जन यातायात के साधन के उपाय किए गए।
- ब्रिटेन में मैनचेस्टर , लंकाशयर , शेफील्ड ,लिड्स औद्योगिक नगरें थे।

1. गाँव के कृषिजन्य आर्थिक क्रियाकलापों की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर - ग्रामीण आबादी का बहुत बड़ा भाग कृषिजन्य आर्थिक क्रियाकलापों से जुड़ा रहता है। खेती इनकी आजीविका का मुख्य साधन है। कृषि के साथ पशुपालन पर भी ध्यान दिया जाता है। साथ

ही, गाँवों में अनेक लघु एवं कुटीर उद्योग तथा शिल्पकलाओं में भी लोग संलग्न रहते हैं जिससे स्थानीय आवश्यकताओं की पूर्ति होती है। कृषिप्रधान अर्थव्यवस्था मूलतः जीवन-निर्वाह अर्थव्यवस्था की अवधारणा पर आधृत होती है।

2. शहर किस प्रकार की क्रियाओं के केंद्र होते हैं?

उत्तर - शहर गैर-कृषि आर्थिक क्रियाकलापों के केंद्र होते हैं। शहरों में गाँवों से रोजगार की तलाश में बड़ी संख्या में लोग आकर निवास करते हैं। वे सरकारी तथा गैर-सरकारी उद्योगों में काम करते हैं। कुछ स्वतंत्र रूप से व्यापार भी करते हैं तथा अपना उद्योग चलाते हैं। नगरों में प्रशासनिक एवं धार्मिक गतिविधियाँ भी होती हैं। शहर राजनीतिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के भी केंद्र होते हैं।

3. समाज का वर्गीकरण ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में किस भिन्नता के आधार पर किया जाता है ?

उत्तर - गाँवों एवं शहरों में सामाजिक वर्गीकरण मुख्यतः व्यवसाय में भिन्नता के आधार पर किया जाता है। ग्रामीण आबादी का बहुत बड़ा भाग प्रधानतः कृषिजन्य क्रियाकलापों से संबद्ध होता है। कृषि, पशुपालन और छोटे उद्योग आजीविका के मुख्य साधन होते हैं। इसके विपरीत शहरी आबादी मुख्यतः गैर-कृषि व्यवसायों, नौकरी, उद्योग तथा व्यापार में संलग्न रहती है। शहर प्रशासनिक, सैनिक, धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के केंद्र होते हैं।

4. आर्थिक तथा प्रशासनिक संदर्भ में ग्रामीण तथा नगरीय बनावट के दो मुख्य आधार क्या हैं?

उत्तर - इस संदर्भ में ग्रामीण एवं शहरी बनावट में दो मूलभूत अंतर दिखाई देते हैं।

(i) अर्थव्यवस्था - ग्रामीण अर्थव्यवस्था मुख्यतः कृषिजन्य क्रियाकलापों से संबद्ध रहती है जबकि शहर उद्योग, व्यापार व नौकरी-पेशा में लगे लोगों के केंद्र होते हैं। शहरी अर्थव्यवस्था मुद्राप्रधान और अधिक गतिशील होती है।

(ii) जनसंख्या का घनत्व - शहरों एवं नगरों जनसंख्या का घनत्व ग्रामीण इलाकों से अधिक होता है। शहरों में मकान सुनियोजित ढंग से बने रहते हैं, उनकी साफ- सफाई, रोशनी, सुरक्षा की व्यवस्था रहती है। ग्रामों में ऐसा नहीं होता है।

5. किन तीन प्रक्रियाओं के द्वारा आधुनिक शहरों की स्थापना निर्णायक रूप से हुई ?

उत्तर - आधुनिक शहरों की स्थापना को मुख्यतः 'तीन प्रक्रियाओं ने निर्णायक रूप से प्रभावित किया। ये हैं - (i) औद्योगिक पूँजीवाद का उदय, (ii) उपनिवेशवाद का विकास तथा (iii) लोकतांत्रिक आदर्शों का विकास। परिणामस्वरूप, ग्रामीण एवं सामंती व्यवस्था से अलग प्रगतिशील, उद्यमी एवं प्रतियोगी जीवन-पद्धति का विकास हुआ।

6. यूरोपीय इतिहास में 'घेटो' का क्या अर्थ है ?

उत्तर - 'घेटो' शब्द का व्यवहार मध्यकालीन यूरोप में यहूदी बस्तियों के लिए किया गया। वर्तमान समय में यह विशिष्ट धर्म, नृजाति, जाति अथवा समान पहचान वाले लोगों के एक साथ रहने को इंगित करता है। यह सामुदायिक आवास का परिचायक है। साथ ही, 'घेटो' पृथक्कीकरण का भी द्योतक है। एक ही समुदाय के लोगों के एक साथ रहने से लाभ और हानि दोनों होते हैं।

7. शहरों के उद्भव में मध्यम वर्ग की भूमिका किस प्रकार की रही?

उत्तर - पूँजीपति एवं श्रमिक वर्ग के साथ-साथ शहरों में मध्यम वर्ग का भी उदय और विकास हुआ। ये नए सामाजिक समूह के रूप में उभरे। इस समूह में बुद्धिजीवी, नौकरी-पेशा समूह, राजनीतिज्ञ, चिकित्सक, व्यापारी प्रमुख थे। व्यावसायिक वर्ग नगरों के विकास का प्रमुख कारण बना जिससे शहरों को नया सामाजिक-आर्थिक स्वरूप प्राप्त हुआ। बुद्धिजीवी एवं राजनीतिक वर्ग ने नया राजनीतिक-सामाजिक चिंतन दिया तथा विभिन्न आंदोलनों को दिशा एवं नेतृत्व प्रदान किया ।

8. नगरीय जीवन एवं आधुनिकता एक-दूसरे से अभिन्न रूप से कैसे जुड़े हुए हैं?

उत्तर - नगरीय जीवन एवं आधुनिकता में अन्योन्याश्रय संबंध है। शहरों में रहनेवाले उन्मुक्त विचारों के होते हैं। वे परंपरागत एवं रूढ़िवादी विचारों को नकारनेवाले तथा आधुनिकीकरण के समर्थक होते हैं। यह न सिर्फ उनके खान-पान और पहनावा में दिखाई देता है, बल्कि उनकी सोच भी आधुनिकता से प्रभावित होती है। विशेषतः, मध्यम वर्ग नई राजनीतिक व्यवस्था का समर्थक होता है।

9. नगरों में विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग अल्पसंख्यक है, ऐसी मान्यता क्यों बनी ?

उत्तर - नगरों में विभिन्न समुदाय के लोग निवास करते हैं, परंतु इनमें विशेषाधिकार- प्राप्त वर्ग छोटा ही होता है। यह सुविधाभोगी एवं संपन्न वर्ग होता है, जैसे - मध्यम वर्ग । अधिक संख्या सामान्य जनों, श्रमिकों इत्यादि की होती है जिन्हें कोई विशेषाधिकार नहीं होता तथा जिनकी आर्थिक स्थिति

भी पहले वर्ग से कमजोर होती है। अतः, जनसंख्या के आधार पर सुविधा प्राप्त वर्ग की स्थिति अल्पसंख्यकों के समान मानी गई।

10. नागरिक अधिकारों के प्रति एक नई चेतना किस प्रकार के आंदोलन या प्रयास से बनी ?

उत्तर - नगरवासी नागरिक अधिकारों के प्रति सजग थे। वे व्यक्तिगत स्वतंत्रता एवं लोकतंत्र के हिमायती थे तथा इन अधिकारों की प्राप्ति के लिए अनेक आंदोलन चलाए गए एवं क्रांतियाँ हुईं; जैसे - फ्रांस की महान क्रांति। नागरिक अधिकारों की माँग के लिए विभिन्न देशों में अलग-अलग आंदोलन भी चलाए गए। उदाहरण के लिए, पुरुषों के वयस्क मताधिकार की माँग को लेकर इंगलैंड में 1838 में चार्टिस्ट आंदोलन चलाया गया। इन प्रयासों से नगरवासियों में नई चेतना जागृत हुई । वे अपने अधिकारों के प्रति सजग हुए।

11. शहरीकरण का पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ा? इसे रोकने के लिए क्या प्रयास किए गए ?

उत्तर - कल-कारखानों की स्थापना, चिमनियों से निकलनेवाले धुएँ, बेतरतीब भीड़, लोगों और सवारियों की आवाजाही, गंदगी और धूल से पर्यावरण दूषित हो गया। अतः, पर्यावरण की सुरक्षा के लिए समय-समय पर प्रयास किए गए। 1840 के दशक में इंगलैंड के प्रमुख औद्योगिक नगरों में धुआँ-नियंत्रक कानून लागू किया गया। भारत में 1863 में कलकत्ता में धुआँ-निरोधक कानून बनाया गया।

12. शहरों ने किन नई समस्याओं को जन्म दिया?

उत्तर - (i) शहरीकरण ने नई सामाजिक संरचना को जन्म दिया जिससे वर्ग-विभेद गहरा हुआ। यह समाजवादी सिद्धांतों एवं लोकतांत्रिक मान्यताओं के विपरीत है।

(ii) आवास, यातायात, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य जनकल्याण संबंधी समस्याएँ उत्पन्न हुईं।

(iii) शहरीकरण ने स्पर्द्धा एवं अवसरवाद जैसी नकारात्मक प्रवृत्तियों को भी जन्म दिया।

(iv) शहरीकरण ने पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव डाला।

13. लंदन में गरीबों के लिए आवास बनवाने की आवश्यकता क्यों पड़ी?

उत्तर - गरीबों के लिए आवास बनवाने के अनेक कारण थे-

(i) गरीबों के टेनेमेंट्स, रैनबसेरे और अजनबीघर अस्वास्थ्यकर और खतरनाक थे।

(ii) इनमें आग लगने का खतरा था जिससे पूरे शहर को नुकसान हो सकता था।

(iii) गरीबों की बड़ी संख्या सामाजिक-राजनीतिक उथल-पुथल ला सकती थी। गरीबों के विद्रोह की आशंका को दबाने के लिए श्रमिकों के लिए भी आवासीय योजनाएँ बनाई गईं।

14. लंदन में 'गार्डन सिटी' की योजना क्यों बनाई गई? इस योजना का कार्यान्वयन कैसे किया गया ?

उत्तर - लंदन के धनी लोगों को प्रदूषणमुक्त स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वास्तुकार एबेनेजर हावर्ड ने गार्डन सिटी (बागीचों का शहर) बनाने की योजना बनाई । उसकी योजना के आधार पर रेमंड अनविन और बैरी पार्कर ने न्यू अर्जविक नामक बागीचों के शहर की रूपरेखा तैयार की। शहर में बाग-बागीचों, मनमोहक परिदृश्यों और भव्य मकानों की व्यवस्था की गई। इससे सामुदायिक जीवन का विकास हुआ।

शहरीकरण एवं शहरी जीवन

1. शहरों के उदय के विकास की पृष्ठभूमि एवं उसकी प्रक्रिया पर प्रकाश डालें।

उत्तर - शहरीकरण की प्रक्रिया में आर्थिक, राजनीतिक और धार्मिक कारणों ने योगदान किया। शहरीकरण की प्रक्रिया में लंबा समय लगा। प्राचीन एवं मध्यकाल में अनेक नगर बसे, परंतु आधुनिक नगरों का विकास औद्योगिकीकरण के बाद ही हुआ। रोजगार की तलाश में गाँव छोड़कर लोग औद्योगिक केंद्रों में आए जो शहर बन गए। इसी प्रकार, व्यापारिक केंद्र एवं प्रशासनिक केंद्र तथा राज्य की राजधानियाँ भी शहर बन गए। शहरीकरण की प्रक्रिया में गाँव से गंज या मंडी विकसित हुए। गंज के इर्द-गिर्द कसबा अथवा छोटे शहर का उदय हुआ । आगे चलकर शहरीकरण की प्रक्रिया में कसबा से शहर, शहर से नगर एवं महानगर बने । आधुनिक शहरों के उदय में तीन ऐतिहासिक प्रक्रियाओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। ये तीन प्रक्रियाएँ थीं- (i) औद्योगिक पूँजीवाद का उदय, (ii) औपनिवेशीकरण की प्रक्रिया तथा (iii) लोकतांत्रिक आदर्शों का विकास। इनके कारण ग्रामीण एवं सामंती व्यवस्था से अलग एक प्रगतिशील शहरी व्यवस्था की स्थापना हुई। शहर नागरिक, आर्थिक, सैनिक, प्रशासनिक, राजनीतिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक गतिविधियों के केंद्र बन गए। नगर आधुनिकता के भी प्रतीक बन गए। कृषि-प्रधान अर्थव्यवस्था का स्थान मुद्रा - प्रधान

अर्थव्यवस्था ने ले लिया। यह अर्थव्यवस्था उद्यमी प्रवृत्ति से प्रभावित एवं प्रतियोगी थी। शहर परस्परविरोधी छविवाले भी बन गए।

2. शहरीकरण की प्रक्रिया में व्यवसायी वर्ग, मध्यम वर्ग एवं मजदूर वर्ग की भूमिका की चर्चा करें।

उत्तर - (i) **व्यवसायी वर्ग** - शहरों में नए सामाजिक समूह बने; जैसे – बुद्धिजीवी, - व्यवसायी वर्ग इत्यादि। व्यवसायी वर्ग व्यापक वर्ग था। इसमें उद्योगपति, पूँजीपति, व्यापारी, स्वरोजगार करनेवाले जैसे लोग आते हैं। इनमें कुछ ने तो अपनी पूँजी लगाकर उद्योग स्थापित किए और औद्योगिकीकरण और शहरों के विकास को बढ़ावा दिया। व्यावसायिक पूँजीवाद से शहरों को नया सामाजिक-आर्थिक आधार प्राप्त हुआ।

(ii) **मध्यम वर्ग** - मध्यम वर्ग ने नई राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था. को अपनाकर नगरों का विकास किया। इस वर्ग में नौकरीपेशा वाले लोग, शिक्षक, वकील, चिकित्सक, इंजीनियर, क्लर्क और अन्य लोग थे। इनके आदर्श और आर्थिक स्थिति भी लगभग एकसमान रही। इसने अपनी सोच और प्रबुद्धता के कारण शहरों के स्वरूप को व्यापक रूप से प्रभावित किया।

(iii) **श्रमिक वर्ग** - उद्योगों की स्थापना के साथ श्रमिक वर्ग का भी उदय हुआ। उद्योगों और कारखानों को चलाने के लिए इनकी आवश्यकता थी। रोजगार की तलाश में बड़ी संख्या में वे खेती छोड़कर कारखानों में काम करने आए। इनके श्रम पर ही औद्योगिकीकरण सफल हो सका। बड़े औद्योगिक नगरों की स्थापना हुई।

3. शहरी जीवन में किस प्रकार के सामाजिक बदलाव आए ?

उत्तर - शहरीकरण ने नई प्रकार की संस्कृति को जन्म दिया। इसमें पुरानी सामाजिक मान्यताएँ बदलने लगीं।

(i) **सामूहिक पहचान** - शहरों ने 'सामूहिक पहचान' के सिद्धांत को बढ़ावा दिया। एक साथ विभिन्न समुदायों के रहने से पहचान की भावना बढ़ी।

(ii) **नए सामाजिक समूहों का उदय** - नगरों में नए सामाजिक समूह बने। ये व्यावसायिक समूह थे। इसने नगरों को नया सामाजिक-आर्थिक स्वरूप प्रदान किया।

(iii) पूँजीपति वर्ग का उदय - औद्योगिकीकरण के कारण समाज में प्रभावशाली पूँजीपति वर्ग का उदय हुआ। इन्हें शक्ति और प्रतिष्ठा प्राप्त थी। समाज पर इनका व्यापक प्रभाव था।

(iv) श्रमिक वर्ग का उदय - कारखानेदारी प्रथा और औद्योगिकीकरण ने श्रमिक वर्ग का भी सृजन किया। पूँजीपति इनका शोषण करते थे।

(v) मध्यम वर्ग का उदय - शिक्षाप्राप्त इस वर्ग में बुद्धिजीवी, नौकरीपेशा, वकील, डॉक्टर इत्यादि थे। इस वर्ग ने नए सामाजिक परिवर्तनों को अपनाकर इसका प्रसार किया।

(vi) परिवार में बदलाव - शहरीकरण के कारण परिवार के स्वरूप और इसके महत्त्व में परिवर्तन आया। परिवार नामक मजबूत संस्था कमजोर पड़ने लगी।

(vii) स्त्रियों के प्रति दृष्टिकोण में परिवर्तन - 20वीं शताब्दी से स्त्रियाँ भी नौकरी, व्यवसाय, राजनीति में भाग लेने लगीं।

(viii) व्यक्तिवादी भावना का विकास - नगरों ने सामुदायिक मान्यताओं और मूल्यों के स्थान पर व्यक्तिवादी भावना को बढ़ावा दिया।

(ix) अपराधों में वृद्धि - शहरीकरण के कारण सामाजिक अपराधों, चोरी, हत्या, बलात्कार, शराबखोरी जैसी घटनाओं में वृद्धि हुई। इनकी रोकथाम के लिए प्रयास किए गए।

4. ग्रामीण तथा नगरीय जीवन के बीच की विभिन्नताओं को स्पष्ट करें।

उत्तर - ग्रामीण तथा नगरीय जीवन के अंतर को मुख्यतः दो संदर्भों में स्पष्ट किया जा सकता है- (i) जनसंख्या का घनत्व और (ii) कृषि-आधृत आर्थिक क्रियाओं का अनुपात। शहरों, नगरों एवं महानगरों में जनसंख्या का घनत्व ग्रामीण इलाकों से अधिक होता है। गाँवों में कम लोग ही अधिक स्थान में रहते हैं, परंतु शहरों में कम स्थान में अधिक लोग रहते हैं। गाँव खुले एवं शांत होते हैं, परंतु शहर संकुचित और भीड़भाड़ वाले होते हैं। नगरों में भव्य और सुनियोजित मकान होते हैं। सड़कें साफ और चौड़ी होती हैं। पीने के पानी और रोशनी की व्यवस्था रहती है। आवागमन के साधनों की प्रचुरता रहती है। शहरों में प्रशासनिक केंद्र, अस्पताल, शैक्षणिक संस्थाओं की भी व्यवस्था रहती है। उनमें संपन्नता और वैभव की झलक होती है। इसके विपरीत गाँवों में संपन्नता के स्थान पर विपन्नता दिखलाई देती है। आर्थिक दृष्टिकोण से भी शहर और गाँव एक-दूसरे से अलग होते हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था जीवन-निर्वाह की होती है। इसके विपरीत शहरों की अर्थव्यवस्था

मुद्राप्रधान होती है। शहरों की अधिकांश जनसंख्या गैर-कृषि व्यवसायों, विशेषतः नौकरी, उद्योग तथा व्यापारिक गतिविधियों में संलग्न रहती है। शहरी अर्थव्यवस्था ग्रामीण अर्थव्यवस्था की तुलना में अधिक गतिशील होती है। यह प्रतियोगिता और उद्यम की भावना से प्रेरित रहती है।

5. एक औपनिवेशिक शहर के रूप में बंबई के विकास को दिखाएँ।

उत्तर - 17वीं शताब्दी में बंबई, जो सात टापुओं का समूह था, को इंगलैंड के राजा चार्ल्स द्वितीय ने ईस्ट इंडिया कंपनी को दे दिया। कंपनी ने बंबई को अपनी व्यापारिक गतिविधियों का केंद्र बनाया। यह नगर सूरत के स्थान पर कपड़ा व्यापार का केंद्र बन गया। 19वीं शताब्दी से बंबई का विकास एक बंदरगाह और कंपनी के मुख्यालय के रूप में होने लगा। यहाँ से अफीम और कपास का निर्यात होता था। यह उद्योग और व्यापार तथा प्रशासन का केंद्र बन गया। 1819 में कंपनी ने बंबई को बंबई प्रेसीडेंसी की राजधानी बनाई। अतः, पश्चिमी भारत का यह प्रमुख नगर बन गया।

आरंभ में इस नगर का विकास किसी योजनानुसार नहीं हुआ, परंतु बाद में नगर- नियोजन की प्रक्रिया अपनाई गई। 1898 में सिटी ऑफ बॉम्बे इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट बनाया गया जिसका उद्देश्य शहर को साफ-सुथरा बनाना था। 1784 में बंबई के तत्कालीन गवर्नर विलियम हॉर्नबी के निर्देशानुसार समुद्र के किनारे-किनारे विशाल दीवार का निर्माण करवाकर नगर में आनेवाले समुद्री पानी को रोक दिया गया था। बढ़ती आबादी और व्यावसायिक कार्यों को ध्यान में रखते हुए पश्चिमी तटक्षेत्र को विकसित करने की योजना बनाई गई। इसलिए, 1864 में कोलाबा कॉजवे बनाया गया। 20वीं शताब्दी में भूमि विकास की अनेक परियोजनाएँ लागू की गईं। 1914-18 के बीच बॉम्बे पोर्ट ट्रस्ट ने बालार्ड एस्टेट का निर्माण किया। बंबई की शान मरीन ड्राइव भी बनाई गई। इस प्रकार, बंबई (मुंबई) एक महानगर में परिवर्तित हो गया।

6. सिंगापुर के विकास को रेखांकित करें।

उत्तर - औपनिवेशिक शासन के दौरान सिंगापुर में सिर्फ 'श्वेत' बस्तियों को ही योजनानुसार विकसित किया गया था। अश्वेत गंदे और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में रहते थे। 1965 में पीपुल्स एक्शन पार्टी के अध्यक्ष ली कुवान येव के नेतृत्व में सिंगापुर को आजादी मिलने के बाद सुनियोजित रूप से इसका विकास किया गया। अब इसको आधुनिक रूप में विकसित किया गया। आवासीय और विकास योजनाएँ लागू की गई। अधिकांश नागरिकों के लिए बहुमंजिले, स्वच्छ और हवादार मकान बनवाए गए। सरकार के द्वारा लगभग 86 प्रतिशत जनता को अच्छे मकान दिए गए। इससे सरकार

को जनता का समर्थन मिला। बाहरी गलियारों के कारण अपराध कम हुए। सामुदायिक कार्यों के लिए इन इमारतों में पर्याप्त खुली जगह रखी गई। समुद्री जमीन को विकसित कर आकर्षक सिंगापुर मरीना बनाया गया। शहर में लोगों के आने पर नियंत्रण रखा जाने लगा। भारतीय, चीनी और मलय नागरिकों में नस्ली सामाजिक टकराव को रोकने के लिए आपसी सामाजिक संबंधों को नियंत्रित किया गया। समाचारपत्रों एवं अन्य संचार माध्यमों द्वारा भी सामाजिक संबंधों को नियंत्रित किया गया। अपराधों पर अंकुश लगाया गया। परिणामस्वरूप, सिंगापुर भौतिक सुविधाओं से संपन्न राष्ट्र बन गया। इन प्रयासों के बावजूद बहुत सारे लोगों का मानना है कि सिंगापुर में जीवंत और चुनौतीपूर्ण राजनीतिक संस्कृति का विकास नहीं हो सका ।

7. पाटलिपुत्र (पटना) के इतिहास का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

उत्तर - बिहार की राजधानी पटना शहरीकरण और विकास की प्रक्रिया का एक अच्छा उदाहरण है। यह विश्व के प्राचीनतम नगरों में से एक है। प्राचीनकाल में यह नगर पाटलिपुत्र, कुसुमपुर, पुष्पपुर के नाम से विख्यात था। यह एक जलदुर्ग के समान था। पाँचवीं शताब्दी ईसा पूर्व में इस नगर की स्थापना हुई। 457 ईसा पूर्व में मगध साम्राज्य की राजधानी राजगृह से स्थानांतरित कर पाटलिपुत्र में स्थापित की गई। नंदों और मौर्यों के शासनकाल में इस नगर का चतुर्दिक विकास हुआ। गुप्तकाल तक पाटलिपुत्र राजनीति, शिल्प, व्यापार, शिक्षा और सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र बना रहा।

गुप्तोत्तर काल में इस नगर का पतन हुआ। ह्वेनसांग नगर को उजाड़ बतलाता है। आगे चलकर इसका पुनरुत्थान हुआ। 1541 में अफगान शासक शेरशाह ने गंगा- गंडक के संगम पर एक किला का निर्माण करवाया। उस समय से पाटलिपुत्र पटना के रूप में जाना जाने लगा। 17वीं शताब्दी के आरंभ में पटना अजीमाबाद के नाम से जाना गया। इसी समय यूरोपीय व्यापारिक कंपनियों का आगमन पटना में सिखों के दसवें और अंतिम गुरु, गुरु गोविंद सिंह का जन्म यहीं हुआ । इसलिए, इसे हुआ। पटना साहिब भी कहा जाता है। 1912 में यह बिहार- उड़ीसा की राजधानी तथा 1935 से लगातार बिहार की राजधानी बना हुआ है। आधुनिक पटना का निर्माण अँगरेजों ने नगर के पश्चिमी भाग में करवाया। वर्तमान समय में पटना राजनीति, व्यापार, शिक्षा एवं सांस्कृतिक क्रियाकलापों का केंद्र है।

6. Urbanization And Urban Life

1. एक प्रतियोगी एवं उद्यमी प्रवृत्ति से प्रेरित किस, प्रकार की अर्थव्यवस्था लागू की गई?

(a) वस्तु अर्थव्यवस्था

(b) मुद्रा प्रधान अर्थव्यवस्था

(c) मुद्रा

(d) इनमें से कोई नहीं

Ans – B

2. औद्योगिकीकरण ने किसके स्वरूप को गहन रूप से प्रभावित किया?

(a) ग्रामीणीकरण

(b) शहरीकरण

(c) कसबों

(d) बंदरगाहों

Ans – B

3. सामंती व्यवस्था से हटकर किस प्रकार की शहरी व्यवस्था की प्रवृत्ति बढ़ी?

(a) प्रगतिशील प्रवृत्ति

(b) आक्रामक प्रवृत्ति

(c) रूढ़िवादी प्रवृत्ति

(d) शोषणकारी प्रवृत्ति

Ans – A

4. स्थायी कृषि के प्रभाव से किसका एकीकरण संभव हुआ?

(a) संपत्ति का

(b) ज्ञान का

(c) शांति का

(d) बहुमूल्य धातु का

Ans – A

5. आधुनिक नगरों का विकास कब से हुआ?

(a) मेसोपोटामिया की सभ्यता से

(b) हड़प्पा की सभ्यता से

(c) पुनर्जागरण से

(d) औद्योगिक क्रांति से

Ans – D

6. जनसंख्या का घनत्व सबसे अधिक कहाँ होता है?

(a) ग्राम

(b) कसबा

(c) नगर

(d) महानगर

Ans – D

7. 1810 से 1880 ई० तक लंदन की आबादी 10 लाख से बढ़कर कहाँ तक पहुँची?

(a) 20 लाख

(b) 30 लाख

(c) 40 लाख

(d) 50 लाख

Ans – C

8. आधुनिक शहर सबसे पहले कहाँ बसने शुरू हुए थे?

(a) चीन

(b) जापान

(c) इंगलैंड

(d) भारत

Ans – C

9. गार्डन सिटी की योजना किसने बनाई?

(a) रेड अनविन ने

(b) बैरी

(c) एवंनेजर व

(d) विलियम हॉर्नी

Ans – C

10. "संयमता आल" किस महानगर में चलाया गया?

(a) लंदन में

(b) न्यूयार्क में

(c) बंबई में

(d) कलकता में

Ans – A

11. लंदन में भूमिगत रेल किस वर्ष आरंभ हुई?

(a) 1763 में

(b) 1863 में

(c) 1787 में

(d) 1887 में

Ans – B

12. " बिटर कार्ड ऑफ आउटकास्ट लंदन" के लेखक थे-

(a) गैरेथ स्टैडमैन जीन्स

(b) हैनरी मेह

(c) ऍड्रयू मीयनर्स

(d) चाल्यं डिकेंस

Ans – C

13. लंदन में अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा कब लागू हुआ?

(a) 1850

(b) 1855

(c) 1860

(d) 1870

Ans – B

14. चार्टिस्ट आंदोलन कहाँ हुआ था?

(a) आस्ट्रिया

(b) यूनान

(c) फ्रांस

(d) इंग्लैंड

Ans – D

15. नगरों में किस अवधारणा पर बल दिया गया?

(a) सामुदायिक

(b) व्यक्तिवादी

(c) स्त्रियों की स्वतंत्रता

(d) साम्प्रदायिकता

Ans – B

16. 'चार्टिस्ट आंदोलन' क्यों चलाया गया?

(a) कारखानों में काम की अवधि कम करने के लिए

(b) बालिग पुरुषों के लिए मताधिकार की माँग के लिए,

(c) बालिग स्त्रियों के लिए मताधिकार की माँग के लिए,

(d) गरीबों को आवासीय सुविधा मुहैया कराने के लिए

Ans – B

17. शहर की आधुनिक व्यक्ति का किस प्रकार का क्षेत्र माना जाता है?

(a) सीमित क्षेत्र

(b) प्रभाव क्षेत्र

(c) विस्तृत क्षेत्र

(d) उपर्युक्त सभी

Ans – B

18. शब्द का प्रयोग किसके लिए किया जाता भेटो शब्द का प्रयोग किसके लिए किया जाता था?

(a) यूनानियों की बस्ती के लिए

(b) यहूदियों की बस्ती के लिए

(c) अरब वालों के बस्ती के लिए

(d) इसाईयों की बस्ती के लिए

Ans – B

19. लैसेज फेयर के सिद्धांत में किसको पूरी स्वतंत्रता मिली हुई थी?

(a) किसानों को

(b) मजदूरों को

(c) व्यापारियों को

(d) पूँजीपतियों को

Ans – D

20. शहरों में कौन-सा वर्ग बुद्धिजीवी वर्ग के रूप में विख्यात हुआ?

(a) पूँजीपति वर्ग

(b) श्रमिक वर्ग

(c) उद्योगपति वर्ग

(d) मध्यम वर्ग

Ans – D

21. पूँजीपति वर्ग के द्वारा किस वर्ग का शोषण हुआ?

(a) श्रमिक वर्ग

(b) मध्यम वर्ग

(c) कृषक वर्ग

(d) सभी वर्ग

Ans – A

22. किसी की राजधानी बनाई गई?

(a) 1601 में

(b) 1757 में

(c) 1819 में

(d) 1912 में

Ans – C

23. ब्रिटेन के किस राजा ने ईस्ट इंडिया कंपनी को दिया था ?

(a) जेम्स प्रथम ने

(b) जेम्स द्वितीय

(c) चा प्रथम

(d) वा द्वितीय ने

Ans – D

24. 1863 में निरोधक कानून पारित करने वाला भारत का पहला शहर कौन-सा था?

(a) अहमदाबाद

(b) कलकत्ता

(c) दिल्ली

(d) मद्रास

Ans – B

25. दादा साहेब फाल्के ने निम्नलिखित में से किस फिल्म का निर्माण किया?

(a) राजा हरिशचंद्र

(b) झाँसी की रानी

(c) सी०आई०डी०

(d) गेस्ट हाउस

Ans – A

26. बंबई में किराया कानून किस वर्ष लागू किया गया?

(a) 1860 में

(b) 1898 में

(c) 1918 में

(d) 1935 में

Ans – C

27. औपनिवेशिक भारत की वाणिज्यिक राजधानी कौन थी?

(a) बंबई

(b) मद्रास

(c) कलकत्ता

(d) विशास्त्रापतनम्

Ans – A

28. बंबई की चॉल किस प्रकार की इमारत थी?

(a) एकमजली इमारत

(b) बहुमंजिली इमारत

(c) धनी लोगों की इमारत

(d) सरकारी कर्मचारियों की इमारत

Ans – B

29. भारत में केनाल कॉलनी किस प्रांत में बनाई गई?

(a) पंजाब में

(b) उत्तर प्रदेश में

(c) मध्यप्रदेश में

(d) राजस्थान में

Ans – A

30. एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में सिंगापुर का उदय किस वर्ष हुआ?

(a) 1919 में

(b) 1945 में

(c) 1955 में

(d) 1965 में

Ans – D

31. वेरान हॉसमान कौन था?

(a) इंगलैंड का इंजीनियर

(b) सियों का प्रीफेक्ट

(c) बंबई का उद्योगपति

(d) कलकता का व्यापारी

Ans – B

32. सिखों के दसवें और अंतिम गुरु श्री गोबिन्द सिंह का जन्म बिहार के किस नगर में हुआ था?

(a) मुंगेर

(b) खगड़िया

(c) पटना

(d) इनमें से कोई नहीं

Ans – C

33. पटना में गोलघर किस उद्देश्य से बनाया गया था?

(a) सैनिक रखने के लिए

(b) अस्त्र-शस्त्र रखने के लिए

(c) अनाज रखने के लिए

(d) पूजा करने के लिए

Ans – C

34. पटना में गोलघर का निर्माण किस वर्ष किया गया?

(a) 1786

(b) 1857

(c) 1764

(d) 1757

Ans – A

35. पाटलिपुत्र किसके समय में मगध की राजधानी थी?

(a) अजातशत्रु

(b) अशोक

(c) चंद्रगुप्त मौर्य

(d) उदायिन

Ans – D

36. मेगास्थनीज ने पाटलिपुत्र की यात्रा किसके समय में की?

(a) चन्द्रगुप्त प्रथम

(b) चन्द्रगुप्त द्वितीय

(c) हर्षवर्द्धन

(d) चन्द्रगुप्त मौर्य

Ans – D

37. बिहार को पृथक राज्य का दर्जा कब दिया गया?

(a) 1910 में

(b) 1911 में

(c) 1912 में

(d) 1913 में

Ans – C

38. पाटलिपुत्र नगर की स्थापना किस शासक द्वारा की गई?

(a) अजातशत्रु

(b) शेरशाह सूरी

(c) चन्द्रगुप्त मौर्य

(d) अजीमुशान

Ans – A

39. मगध राज्य की प्राचीनतम राजधानी कहाँ स्थित थी?

(a) बोधगया में

(b) राजगृह में

(c) वैशाली में

(d) पटना साहिब में

Ans – B

40. अंग्रेज यात्री राल्फ फिच ने पटना की यात्रा किस वर्ष की थी?

(a) 1856 में

(b) 1857 में

(c) 1858 में

(d) 1859 में

Ans – A

41. तख्त श्री हरमंदरजी साहिब कहाँ स्थित है?

(a) पटना साहिब में

(b) अमृतसर में

(c) लाहौर में

(d) भिवंडी में

Ans – A

42. सासाराम में किस ऐतिहासिक शासक का मकबरा स्थित है?

(a) अलाउद्दीन खिलजी

(b) औरंगजेब

(c) शेरशाह सूरी

(d) कुतुबुद्दीन ऐबक

Ans – C

43. महात्मा बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति कहाँ हुई?

(a) राजगीर

(b) बोध गया

(c) वैशाली

(d) सारनाथ

Ans – B

44. सासाराम नगर का विकास कब हुआ था?

(a) मध्ययुग में

(b) प्राचीन युग में

(c) आधुनिक युग में

(d) इनमें से कोई नहीं

Ans – A